

15/12/2025

MA, Semester II
Paper 5, Unit I

19/12/2025

Topic - चयनात्मक अवधान का स्वरूप (Nature of selective attention) and theory of selective attention.

अवधान एक चयनात्मक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति किसी उत्तेजना पर अपना ध्यान क्षणभर के लिए केंद्रित करता है और अन्य उत्तेजनाओं को ध्यान केंद्र को प्रतिबंध से बाहर स्थापित करता है जो उत्तेजना व्यक्ति के ध्यान केंद्र में स्थापित रहती है उसका मातृक क्रियाशीलता को एकाग्रचित (Concentrated) अवधान (activity) करते हैं। इसी मातृक एकाग्रचितता के कारण मातृक उत्पादन बढ़ जाती है।

मैथलिंग (Mertling, 1963) के अनुसार चयनात्मक अवधान में व्यक्ति की मातृक क्रियाशीलता किसी एक उत्तेजना पर एकाग्र रहती है जबकि अन्य उत्तेजनाओं पर वह नहीं के बराबर ध्यान देता है।

चयनात्मक ध्यान में किसी एक ही क्रिया पर एकाग्रता रहती है अन्य क्रियाओं पर न के बराबर एकाग्रता रहती है इसलिए उन क्रियाओं की अवहेलना होती है जबकि उन क्रियाओं पर भी ध्यान देना आवश्यक होती है ऐसी स्थिति में कभी-कभी कभी धारिका एक होता है क्योंकि ऐसी परिस्थिति में कुछ उत्पादन होती है।

चेरी (Cherry, 1953) के अनुसार उन्होंने अपने अध्ययन में ध्यान मातृक प्रतिबंध

Shadowing technique

का उपयोग किया है इन्होंने प्रयोगों के द्वारा कागों में इयरफोन (earphones) लगाकर (speaker) प्रवक्ता (speaker) द्वारा दो अलग-अलग सूचनाओं को अधिकतर (shadowing) करने की व्यवस्था की। प्रयोगों के द्वारा एक सूचना को सुनकर दूसरी सूचना को उल्टा रूप में लिख कर दिया गया। इस प्रकार प्रवक्ता (diachotic listening) कथं जाना हो। परिणामस्वरूप यह पाया गया कि प्रयोग केवल उल्टी सूचना को सुनकर ही लगातार दूसरी सूचना पावे सम्भव है। इसी सूचना जि लया अलग सूचना लिखे। प्रयोग का लक्ष्य यह प्रमाणित करना था कि सूचना के स्वरूप में परिवर्तन करने पर प्रयोग का अर्थ पढ़नी सूचना के अर्थ इसी सूचना में परिवर्तन जाना जा सकता है। इसके अलावा यह भी पाया कि सूचना के स्वरूप में परिवर्तन करने पर प्रयोग का अर्थ पढ़नी सूचना के अर्थ इसी सूचना में परिवर्तन जाना जा सकता है। इसके अलावा यह भी पाया कि सूचना के स्वरूप में परिवर्तन करने पर प्रयोग का अर्थ पढ़नी सूचना के अर्थ इसी सूचना में परिवर्तन जाना जा सकता है।

मोरे (Moray, 1959) ने भी एक प्रयोग किया कि जो सूचना अवधारण केन्द्र की परिधि में रहती है, उस सूचना में प्रयोग का अर्थ जोड़ देना वह प्रयोग के अर्थ केन्द्र में स्थापित हो जाता है। उपरोक्त दोनों प्रयोगों से अवधारण केन्द्र में सूचना के स्थापित होने में परिवर्तन की आवश्यकता महत्वपूर्ण सिद्ध होती है।

समवाचक अवधान की व्याख्या अलग-अलग -
 सगावें साक्षियों ने अलग-अलग ढंग व क्रिया की
 रूपों ब्राउन-2 (Braaden, 1958), ड्रीस मैंग
 Treisman, 1964 तथा डिब्रश एवं डिब्रश (Deutch,
 and Deutch, 1963) द्वारा प्रतिपादित मॉडल को
 का मार्ग विरोधी (Bottle-neck) सिद्धान्त मॉडल (विद्युत
 (Filter theory) के माध्यम से जाना जाता है

फिल्टर सिद्धान्त के अनुसार जब एक ही साथ
 कई तरह की सूचनाओं पर ध्यान देना होता है तो गैरक
 कारणों के कारण शुरु में ही जागेदियाँ द्वारा मार्ग
 विरोधी उत्पन्न होता है जिन्के कारण अनेक सूचनाओं
 में से कुछ सूचनाएँ अवधान केंद्र में स्थापित हो पाती हैं
 और शेष सूचनाएँ मार्ग विरोधी के कारण अवधान केंद्र
 से बाहर ही खणक रह जाते हैं जिससे वह ध्यान नहीं
 दे पाते। सूचनाओं का फिल्टरेशन सूचनाओं के
 मातृक गुणों के कारण होता है जैसे व्यक्त उत्पन्न
 की आवाजों पर ध्यान देना है जबकि धीमे स्वर की
 आवाजें धनक अवधान केंद्र से बाहर ही रह जाती हैं
 जिससे द्वारा ध्यान नहीं जाता है

ड्रीस मैंग ने ब्राउन-2 के मॉडल को परिभाषित
 का उलना गम फिल्टर (क्षीणन) (Filter attention
 pation) मॉडल दिया है। इसके अनुसार जब
 व्यक्ति दूनों कामों से अलग-अलग प्रकार की
 सूचनाओं को सुनता है जिन् कामों की सूचनाएँ
 से स्थापित (Processing) होता है व शेषतः
 अवश्य नहीं होती बल्कि उनका रूप धीरे धीरे
 सूक्ष्म भा क्षीण हो जाता है। मध्य कारण है कि धीरे

धूपनामों में भी व्यभि कुट्टु अशो तक
 अवगत है पाता है त्रीजगत् में इस-
 त्व्य को प्रयोग का प्रमाणित किया है
 कि फिलिडेशन की प्रकृति द्वारा जो प्रपत्ता
 ज्ञान के रूप में बाधु भाग अवरोध के कारण
 रह जाती है व प्रणतः एतत् नये घेरी
 बरिक् उन् धूपनामों की शक्ति योडी इतल
 घेजाती है अतः ऐसी हीन धूपनामों को कुट्टु
 परिस्थिति विशेष में उच्यत्तरीय प्रत्यक्षान्त
 विश्लेषण के समये में आ जाती है
 जिनके आध्यात् प्र फिलिड प्रकृति द्वारा
 हीन रूप में जो धूपनामों को भी प्रध्यात
 काम में भी व्यभि लगता होता है
 अतः प्रकृत धूपनामों अवस्था
 के लक्ष्य में फिलिड विज्ञान ही
 सांवाधिक लोकप्रिय है।

Kumar Patil
 Maharaja College, Aze.